

प्रेषक,

किशन नाथ,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
अल्मोड़ा/बागेश्वर/चम्पावत/देहरादून/  
पौड़ी/चमोली/नैनीताल/टिहरी/पिथौरागढ़/  
रुद्रप्रयाग/ऊधमसिंहनगर/उत्तरकाशी/हरिद्वार।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 27 नवम्बर, 2013

विषय: वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत “व्यक्तिगत उद्यमियों को व्याज उपादान” (जिला योजना) हेतु धनराशि स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 तथा 668/XXVII(1)/2013 दिनांक 08 अक्टूबर, 2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुसूचित जाति उप योजना (SCSP) के अधीन “व्यक्तिगत उद्यमियों को व्याज उपादान” योजना (जिला योजना) हेतु प्रथम अनुपूरक अनुदान से प्राविधानित धनराशि रु0 2227 हजार (रु0 बाईस लाख सताईस हजार मात्र) की जनपदवार फॉट करते हुए संलग्न ॲलाटमेंट आई०डी० के अनुसार निम्न प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2. उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता निरान्त आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो।

3. धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही है।

4. स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैकटरवार व्यय किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा।

5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश संख्या: 284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 तथा नियोजन विभाग के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०स००/2008 दिनांक 24 मार्च, 2008 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31.03.2014 तक कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरित वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2014 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

7. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-30 के मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 02-अनुजाति/जनजाति कम्पोनेन्ट के अंतर्गत जिला योजना, 03-व्यक्तिगत उद्यमियों को ब्याज उपादान योजना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

8. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 284 / XXVII(1) / 2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 में इंगित निर्देशानुसार जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- संबंधित अँलाटमेंट आई0डी0

भवदीय,

(किशन नाथ)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1648 (1) / VII-2-13 / 124-उद्योग / 2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, भोपालपानी, देहरादून।
3. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,  
(एन0आई0डुगारियाल)  
अनु सचिव।